



INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	Date of submission:
Study Material	Topic: विराम चिह्न	Note: Pls. write in your Hindi note book

विराम चिह्न

परिभाषा- विराम का अर्थ है - 'रुकना' या 'ठहरना'। अपने विचारों या भावों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए हम रुकते हैं। इसी को विराम कहते हैं। इन्हीं विरामों को प्रकट करने के लिए हम जिन चिह्नों का प्रयोग करते हैं, उन्हें 'विराम चिह्न' कहते हैं। यदि विराम-चिह्न का प्रयोग न किया जाए तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

जैसे-(1) रोको मत जाने दो। (2) रोको, मत जाने दो। (3) रोको मत, जाने दो।

इन तीनों उदाहरणों में पहले वाक्य में अर्थ स्पष्ट नहीं होता, जबकि दूसरे और तीसरे वाक्य में अर्थ तो स्पष्ट हो जाता है, लेकिन एक-दूसरे का उल्टा अर्थ मिलता है। तीनों वाक्यों में वही शब्द हैं।

विराम चिह्न के प्रकार

	विराम चिह्न का नाम	विराम चिह्न	
1	पूर्ण विराम		Full stop
2	अल्प विराम	,	Comma
3	अर्ध विराम	;	Semi-colon
4	योजक चिह्न	-	Hyphen
5	कोष्ठक चिह्न	() {} []	Bracket
6	लाघव चिह्न	•	Sign of abbreviation

7	विस्मयादिबोधक चिह्न	!	Exclamation mark
8	प्रश्नवाचक चिह्न	?	Question mark
9	अवतरण या उद्धरण चिह्न	“.....”	Inverted comma
10	विस्मरण या त्रुटिपूरक चिह्न	^	Sign of leftout
11	निर्देशक चिह्न	—	Dash
12	उप विराम	:	Colon
13	विवरण चिह्न	:-	Sign of colon dash

1-पूर्ण विराम (।) पूर्णविराम का अर्थ है, पूरी तरह रुकना या ठहरना। जहाँ एक बात पूरी हो जाए या वाक्य समाप्त हो जाए वहाँ पूर्ण विराम (।) चिह्न लगाया जाता है।

जैसे- 1- मैं पढ़ रहा हूँ। 2- वह जा रहा है ।

2-अल्प विराम- (,) अल्प का अर्थ होता है- थोड़ा। अल्पविराम का अर्थ हुआ- थोड़ा विश्राम अथवा थोड़ा रुकना। बातचीत करते समय अथवा लिखते समय जब हम बहुत-सी वस्तुओं का वर्णन एक साथ करते हैं, तो उनके बीच-बीच में अल्पविराम का प्रयोग करते हैं।

जैसे- 1-भारत में गेहूँ, चना, बाजरा, मक्का आदि बहुत-सी फसलें उगाई जाती हैं।

3-अर्ध विराम - (;) जहाँ अल्प विराम से कुछ अधिक ठहरते हैं तथा पूर्ण विराम से कम ठहरते हैं, वहाँ अर्ध विराम चिह्न (;) लगाया जाता है। यदि एक वाक्य या वाक्यांश के साथ दूसरे वाक्य या वाक्यांश का संबंध बताना हो तो वहाँ अर्ध विराम का प्रयोग होता है।

जैसे - 1-सूर्यास्त हो गया; लालिमा का स्थान कालिमा ने ले लिया।

4-योजक चिह्न - (-) हिंदी में अल्पविराम के बाद योजक चिह्न का प्रयोग अधिक होता है। दो शब्दों में परस्पर संबंध स्पष्ट करने के लिए तथा उन्हें जोड़कर लिखने के लिए योजक-चिह्न (-) का प्रयोग किया जाता है। इसे 'विभाजक-चिह्न' भी कहते हैं।

जैसे- 1-जीवन में सुख-दुख तो चलता ही रहता है।

2-रात-दिन परिश्रम करने पर ही सफलता मिलती है।

5-कोष्ठक चिह्न - () कोष्ठक चिह्न () का प्रयोग, अर्थ को और अधिक स्पष्ट करने के लिए शब्द अथवा वाक्यांश को कोष्ठक के अंदर लिखकर किया जाता है।

वाक्य के बीच में आए शब्दों अथवा पदों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए कोष्ठक का प्रयोग किया जाता है।

जैसे - 1-अध्यापक (चिल्लाते हुए) " निकल जाओ कक्षा से।"

2-विश्वामित्र (क्रोध में काँपते हुए) ठहर जा।

6-लाघव चिह्न - (०) किसी बड़े तथा प्रसिद्ध शब्द को संक्षेप में लिखने के लिए उस शब्द का पहला अक्षर लिखकर उसके आगे शून्य (०) लगा देते हैं। यह शून्य ही लाघव-चिह्न कहलाता है।

जैसे - 1-डॉक्टर के लिए — डॉ०

2-पंडित के लिए — पं०

7-विस्मयादिबोधक चिह्न - (!) विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का प्रयोग वाक्य में हर्ष, विवाद, विस्मय, घृणा, आश्चर्य, करुणा, भय इत्यादि का बोध कराने के लिए किया जाता है।

जैसे - 1-हाय !, 2-आह !, 3-छि !, 4-अरे !, 5-शाबाश!

8-प्रश्नवाचक चिह्न - (?) जब किसी वाक्य में सवाल पूछे जाने का भाव उत्पन्न हो तो उस वाक्य के अंत में 'प्रश्नसूचक चिह्न' (?) का प्रयोग किया जाता है।

बातचीत के दौरान जब किसी से कोई बात पूछी जाती है अथवा कोई प्रश्न पूछा जाता है, तब वाक्य के अंत में प्रश्नसूचक-चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे - 1-वह क्या खा रहा है? 2- वह कहाँ जा रहा है?

9-अवतरण या उद्धरण चिह्न - (" ") किसी की कही हुई बात को उसी तरह प्रकट करने के लिए अवतरण चिह्न (" ") का प्रयोग किया जाता है।

महत्वपूर्ण कथन, कहावत, संधि आदि को उद्धृत करते समय उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है।

जैसे - 1-तुलसीदास ने सत्य कहा है — “पराधीन सपनेहु सुख नहीं।”

10-विस्मरण या त्रुटिपूरक चिह्न - (^) विस्मरण चिह्न (^) का प्रयोग लिखते समय किसी शब्द को भूल जाने पर किया जाता है।

जैसे - 1- राम ^ जाएगा। 2- उसने एक ^ सुनाई ।

11-निर्देशक चिह्न - (—) निर्देशक चिह्न (—)का प्रयोग विषय, विवाद, प्रत्येक शीर्षक के आगे, उदाहरण के पश्चात, कथोपकथन के नाम के आगे किया जाता है।

जैसे - 1- श्री राम ने कहा — सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए।

2- प्रधानाध्यापक ने कहा — कल विद्यालय में अवकाश है।

12- उप विराम (Colon) (:)- जहाँ वाक्य पूरा नहीं होता, बल्कि किसी वस्तु अथवा विषय के बारे में बताया जाता है, वहाँ उप विराम-चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे- कृष्ण के अनेक नाम हैं : मोहन, गोपाल, गिरिधर आदि।

• कामायनी : एक अध्ययन। विज्ञान : वरदान या अभिशाप

• 13- विवरण चिह्न का प्रयोग (:-)

सामान्यतः विवरण चिह्न का प्रयोग निर्देशक चिह्न की भाँति ही होता है।

विशेष रूप से जब किसी विवरण को प्रारम्भ करना होता है अथवा किसी कथन को विस्तार देना होता है तब विवरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है;

जैसे-

1. जयशंकर प्रसाद ने कहा है:-‘जीवन विश्व की सम्पत्ति है।’

2. किसी वस्तु का सविस्तार वर्णन करने में विवरण चिह्न का प्रयोग होता है;

जैसे:- इस देश में कई बड़ी-बड़ी नदियाँ हैं; जैसे:- गंगा, सिंधु, यमुना, गोदावरी आदि।

=====